सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–3 : पर्यावरण अध्ययन

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 3 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

उप थीम 1.1 : संबन्धों का ताना–बाना (आपसी सम्बन्ध)

मेरा परिवार

- परिवार की अवधारणा।
- परिवार के प्रकार, परिवार के सदस्य एवं रिश्तेदारों की पहचान।
- रिश्तों के ताने–बाने।
- परिवार के कुछ सदस्य दूर रहते हैं उनके साथ रिश्ते।

परिवार और मैं

- परिवार में बच्चों की स्थिति, उनकी आदतें, पसन्द, नापसंद, परिवार आवश्यकता पूर्ति का साधन, बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार के विभिन्न सदस्यों की भूमिका।

परिवार की खास बातें

- बड़ा–छोटा, लम्बा–नाटा, बलिष्ठ–सामान्य में अन्तर कर पाना। भारी व हल्की आवाज़ में अन्तर।
- परिवार के सदस्यों की कुशलताएँ, सदस्यों की ऊँचाई व लम्बाई का अनुमान लगाना।

परिवार के बुजुर्ग एवं अन्यथा सक्षम सदस्य

- बुजुर्ग एवं अन्यथा सक्षम व्यक्तियों (जैसेः दृश्य/श्रव्यदोष से संबंधित) के प्रति संवेदनशील होना।
- बढ़ती उम्र।
- कम उम्र में अन्यथा सक्षम या अन्य कारणों के साथ शरीर के अंगों की शिथिलता पर चर्चा।

मैं और मेरे मित्र

- मित्र कैसे बनते हैं एवं उनकी आवश्यकता।
- अन्यथा सक्षम लोगों के प्रगति संवेदनशीलता।

उप थीम 1.2 : खेल और कार्य

मेरे आसपास के कार्य

- घर के कार्यों एवं विभिन्न व्यवसायों पर विचार।
- विभिन्न कार्यों से समय के संबंध पर विचार।
- लिंग, आयु के आधार पर कार्यों के विभाजन पर विचार। काम एवं आराम के समय की जानकारी होना।

मेरे आस–पास के खेल

- स्थानीय, घरेलू व बाहरी खेलों की चर्चा। खेलों की अवधारणा।
- स्कूल में खेल।
- भोजन पकाने के लिए काम आने वाले विभिन्न ईंधन तथा भोजन पकाने में काम आने वाले विभिन्न स्टोव, गैस चूल्हा, सौर चूल्हा आदि।
- विभिन्न अंचलों में खाना बनाने में काम आने वाले बर्तन।
- परिवार में भोजन पकाने के कार्य में जेण्डर संवेदनशीलता।

परिवार में भोजन

- परिवार में लोगों की भोजन संबंधित आदतें। आयु, लिंग और शारीरिक कार्यों के अनुरूप भोजन की मात्रा।
- शिशु का भोजन, शिशु के भोजन में माँ के दूध का महत्त्व।
- खाद्यान की जानकारी।

जानवरों का भोजन

- पालतू और जंगली जानवरों का भोजन, पालतू जानवरों की देखरेख।

थीम 3 : आवास

मकान तरह–तरह के

- बरसात, सर्दी, गर्मी एवं अन्य समस्याओं से बचने के लिए आवास की आवश्यकता, साथ–साथ रहने के लिए घर की आवश्यकता।
- विभिन्न प्रकार के आवासों के बारे में चर्चा कि ऐसे घर क्यों बनाये जाते हैं – झोंपड़ी, बहुमंजिला इमारत, पक्के मकान, टेंट, बैलगाड़ी में मकान, नाव में मकान आदि।
- घुमन्तु लोगों के घर।

मेरे घर की सफाई और सजावट

- घर की साफ – सफाई की आवश्यकता, सफाई में सभी के सहयोग की आवश्यकता। घर का कचरा फेंकने के लिए स्थान। घर/आवास की अलग अलग तरीके से सजावट।

मेरे घर और कुछ अन्य जंतु

- परिवार के सदस्य, पालतू पशु व अन्य जीव–जंतु। घर में रहने वाले पालतू जंतुओं से लाभ।

आस–पड़ौस का नक्शा

- आस–पड़ौस का नक्शा।
- दिशाओं की प्रारम्भिक जानकारी।
- कक्षा–कक्ष व आस–पडौस का नज़री नक्शा बनाना।

जानवरों के आवास

- विभिन्न जन्तुओं के आवासों में विविधता।
- विभिन्न प्रकार के आवास।

कार्य और बच्चे

- कार्य के प्रति सम्मान की भावना विकसित होना। घर के एवं स्वयं के कार्यों को करने हेतु प्रेरित करना।
- बालकों के विद्यालय जाने के महत्त्व पर चर्चा।
- जाति एवं आर्थिक आधार पर बच्चों के कार्य पर चर्चा।

उप थीम 1.3 : जीव–जन्तु

रेंगने और उड़ने वाले जानवर

- रेंगने वाले, उड़ने वाले जानवरों, एवं कीड़े–मकोड़े के बारे में बच्चों के विचारों एवं अनुभवों पर चर्चा करना।

प्यारे पक्षी

- पक्षियों के आवास, खानपान की आदतें, पंख व आवाज़ आदि के संदर्भ में बच्चों के अनुभवों पर बातचीत करना।

बड़े और छोटे जानवर

- जानवरों के बारे में बच्चों के विचारों या अनुभवों को जानना और उन पर चर्चा करना।

उप थीम 1.4 : पेड़–पौधे

आस पास की हरियाली

- घर एवं खेत खलिहान में उगने वाले पौधों पर चर्चा।
- पेड़–पौधों के अन्तर पर विचार करना। (मुख्यतः आकार व आयु के आधार पर।)
- पेड़–पौधों की विविधता एवं दैनिक जीवन में इनका महत्त्व।

पत्तियाँ और हमारा जीवन

- विभन्न प्रकार की पत्तियाँ।
- पत्तियों का वर्गीकरण स्वाद एवं गन्ध के आधार पर।
- पतझड़ के अनुभव

थीम 2 : भोजन

पौधों व जन्तुओं से भोजन

- भोजन संबंधित सांस्कृतिक विविधता।
- भोज्य पदार्थ प्रदान करने वाले पौधों व जंतुओं के बारे में आधारभूत अवधारणा।
- राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में खाए जाने वाले विशेष भोज्य पदार्थ।

भोजन पकाना

- भोज्य पदार्थ को बिना पकाये/कच्चे व पका कर खाए जाने वाले।

थीम 4 : जल (पानी)

मेरे परिवार के जल स्रोत

- जल के विभिन्न स्रोत, पानी के उपयोग।
- पानी भरने में लिंग आधारित भूमिका एवं सामाजिक भेदभाव, जल प्राप्त करने में दूरी व उपयोग की मात्रा का अनुमान, साफ जल की व्यवस्था।

पेड़–पौधों और जन्तुओं के लिए पानी।

- जीवनधारियों के लिए पानी की अलग–अलग आवश्यकता।

पानी का अभाव

- पानी की कमी के कारण।
- पानी के दुरूपयोग को रोकना।

जल और जीवन

- पानी की उपलब्धता, पानी का दैनिक जीवन पर असर। गाँव एवं शहर में जल स्रोत
- बच्चों की दिनचर्या में पानी।
- घर में पानी का उपयोग। वर्षा ऋतु में आसपास के वातावरण पर प्रभाव।

जल का संग्रहण

- वर्षा के जल को घर में संग्रहण करने के तरीके। जल की मात्रात्मक समझ।

थीम 5 : यात्रा

यातायात की आवश्यकता

- यातायात की आवश्यकता एवं महत्व।

यातायात के प्रकार

- समय के साथ बदलते यातायात के साधन।
- स्थानीय एवं दूरगामी यात्राओं के लिए उपलब्ध साधन।
- प्राचीन एवं वर्तमान के साधनों में अन्तर।

संचार के साधन – पत्र भेजना

- संचार के एक साधन के रूप में पत्र, डाक व्यवसाय।
- संचार के अन्य साधन एवं उनमें समय के साथ आया परिवर्तन।

थीम 6 : कुछ करना व बनाना

मिट्टी के बर्तन व खिलौने

- लोगों की जरुरतें और उन के लिए चीज़ें बनाने की कोशिश।
- लोगों की रचनात्मकता और सूझबूझ।
- मिट्टी के गुण।
- मिट्टी के बर्तन बनाने की प्रक्रिया।

प्रथम टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ	
थीम – जल (पाठ 1 व 2)	**थीम – भोजन (पाठ 3 से 5 तक)**
• वर्षा ऋतु में आस–पास के वातावरण पर होने वाले प्रभाव के बारे में अनुभव सुनाना एवं जानकारी प्राप्त करना। • जल के स्थानीय स्रोत, पानी के उपयोग आदि के बारे में अपने अनुभव शेयर करना। • पानी भरने में लिंग आधारित भूमिका एवं सामाजिक भेदभाव पर विचार व्यक्त करना। जल प्राप्त करने में दूरी व उपयोग की मात्रा का अनुमान लगाना। • जीवधारियों के लिए पानी की अलग–अलग आवश्यकता के बारे में विचार करना। • पानी की कमी के कारणों को सोच कर अभिव्यक्त करना। • पानी के दुरूपयोग को रोकने के बारे में विचार व्यक्त करना। • वर्षा के जल को घर में संग्रहण करने के तरीकों के बारे में विचार करना।	• भोजन संबंधित सांस्कृतिक विविधता की विविध प्रसंगों के आधार पर समझना। • भोज्य पदार्थ प्रदान करने वाले पौधों व जंतुओं के बारे में आधरभूत अवधारणाओं को समझना। • राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में बनने/खाए जाने वाले विशेष भोज्य पदार्थों के बारे में जानकारी प्राप्त करना। • बिना पकाये/कच्चे व पकाकर खाये जाने वाले भोज्य पदार्थों में अन्तर करना। • भोजन पकाने के लिए काम आने वाले विभिन्न ईंधन तथा भोजन पकाने में काम आने वाले विभिन्न प्रकार के चूल्हे जैसे–स्टोव, गैस चूल्हा, सौर चूल्हा आदि के बारे में अनुभव सुनाना एवं जानकारी एकत्रित करना। • परिवार में भोजन पकाने के कार्य में जेण्डर संवेदनशीलता पर विचार करना। • परिवार में लोगों की भोजन संबंधी आदतें। आयु, लिंग और शारीरिक कार्यों के अनुरूप भोजन की मात्रा के बारे में समझना।

योजना क्रमांक : ..... **सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना** दिनांक ..... से ..... तक

पाठ/इकाई : ..... **अवधारणा/थीम :** .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
....	....

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	3. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–
4. अनुभव एवं स्वआकलन :–	4. अनुभव एवं स्वआकलन :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	3. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–
4. अनुभव एवं स्वआकलन :–	4. अनुभव एवं स्वआकलन :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	3. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–
4. अनुभव एवं स्वआकलन :–	4. अनुभव एवं स्वआकलन :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल _____ से _____ तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल _____ से _____ तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	3. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–
4. अनुभव एवं स्वआकलन :–	4. अनुभव एवं स्वआकलन :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	3. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–
4. अनुभव एवं स्वआकलन :–	4. अनुभव एवं स्वआकलन :–

द्वितीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ	
थीम – खेल और कार्य (पाठ 6 व 7)	**थीम – सम्बन्धों का ताना–बाना (पाठ 8 व 9)**
• घर के कार्य एवं आसपास के विभिन्न व्यवसायों के बारे में अनुभव सुनाना एवं जानकारी प्राप्त करना। • लिंग, आयु के आधार पर कार्यों के विभाजन पर स्वयं के विचार व्यक्त करना। काम एवं आराम के समय की जानकारी होना। • स्थानीय, घरेलू व बाहरी खेलों में अन्तर करना। • कार्य के प्रति सम्मान की भावना, घर के एवं स्वयं के कार्यों को करने हेतु प्रेरित होना। • बालकों के विद्यालय जाने के महत्त्व पर विचार व्यक्त करना। • जाति एवं आर्थिक आधार पर बच्चों के कार्य के बारे में सोच पाना एवं चर्चा के दौरान मत व्यक्त करना।	• परिवार की अवधारणा के बारे में जानना। परिवार के प्रकार, परिवार के सदस्य एवं रिश्तेदारों की पहचान करना। • अपने परिवार की तीन पीढ़ियों तक का कुर्सी नामा (simple family tree) बनाना। • परिवार में बच्चों की स्थिति, उनकी आदतें, पसन्द, नापसंद, परिवार के विभिन्न सदस्यों की भूमिका आदि के बारे में अनुभव सुनाना। • बुजुर्ग एवं विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों (जैसे– दृश्य/श्रव्यदोष से संबंधित) के प्रति संवेदनशील होना। बढ़ती उम्र या अन्य कारणों के साथ शरीर में होने वाले शारीरिक बदलाव के प्रति संवेदनशील होना। • मित्र कैसे बनते हैं एवं उनकी आवश्यकता के बारे में विचार व्यक्त करना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

तृतीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ	
उपथीम – जीव–जंतु (पाठ 11 से 13) • जानवरों के बारे में जैसे रेंगने वाले, उड़ने वाले जानवरों एवं कीड़े–मकोड़ो के बारे में विचारों एवं अनुभवों को व्यक्त करना। • पक्षियों के आवास, खानपान की आदतें, पंख व आवाज़ आदि के संदर्भ में अपने अनुभवों को व्यक्त करना। **थीम – कुछ करना व बनाना (पाठ 12)** • मिट्टी के बर्तन बनाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी होना।	**उपथीम – पेड़–पौधे (पाठ 10)** • घर एवं खेत खलिहान में उगने वाले पौधों के बारे में स्वयं का अनुभव व्यक्त कर पाना एवं चर्चा करना। • पेड़–पौधों की विविधता एवं दैनिक जीवन में इनके महत्त्व पर विचार करना। • विभिन्न प्रकार की पत्तियों में अन्तर करना। • पत्तियों का वर्गीकरण (रंग, आकार, बनावट, खुशबू आदि के आधार पर) करना। • पतझड़ के बारे में अनुभव सुनाना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

चतुर्थ टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं संबंधित पाठ

थीम – आवास (पाठ 13 से 16)

- बरसात, सर्दी, गर्मी एवं अन्य समस्याओं से बचने के लिए आवास की आवश्यकता को समझ पाना।
- विभिन्न प्रकार के आवासों (झोपड़ी, बहुमंजिला इमारत, पक्के मकान, टेंट, बैलगाड़ी में मकान, नाव में मकान आदि) को बनाने के कारणों पर चर्चा कर पाना।घुमन्तु लोगों के आवास के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाना।
- घर की साफ–सफाई की आवश्यकता, सफाई में सभी के सहयोग की आवश्यकता को समझ पाना। घर का कचरा फेंकने के लिए स्थान। घर/आवास की अलग–अलग तरीके से सजावट आदि के बारे में विचार व्यक्त कर पाना।
- परिवार के सदस्य के रूप में पालतू पशु व अन्य जीव–जंतु। घर में रहने वाले पालतू जंतुओं से लाभ के बारे में समझना।
- आस–पड़ौस का नक्शा बनाना, दिशाओं की प्रारम्भिक जानकारी होना।
- कक्षा–कक्ष व आस–पड़ौस का नज़री नक्शा बना पाना।
- जन्तुओं के आवासों में विविधता को समझ पाना।

थीम – यात्रा (पाठ 17 से 18)

- समय के साथ यातायात के साधनों में आए बदलाव के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाना।
- स्थानीय एवं दूरगामी यात्राओं के लिए उपलब्ध साधनों में अन्तर कर पाना।
- प्राचीन एवं वर्तमान के साधनों में अन्तर कर पाना एवं पहिए के प्रकारों में फर्क कर पाना।
- संचार के विभिन्न साधन एवं इनमें समय के साथ आए परिवर्तन के बारे में समझ पाना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)																										
इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना।	I																									
	II																									
मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना।	I																									
	II																									
एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना।	I																									
	II																									
तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।	I																									
	II																									
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)																										
वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/चार्ट आदि के माध्यम से)	I																									
	II																									
अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना।	I																									
	II																									
समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
वर्गीकरण करना (Classification)																										
अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना।	I																									
	II																									
किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।	I																									
	II																									
व्याख्या/ विश्लेषण करना।																										
किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना।	I																									
	II																									
प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।	I																									
	II																									
प्रश्न करना (Questioning)																										
वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।	I																									
	II																									
प्रयोग (Experimentation)																										
प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानी पूर्वक उपयोग कर पाना।	I																									
	II																									
मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
गतिविधि जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)	I																									
	II																									
विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना। (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)	I																									
	II																									
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)																										
अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना।	I																									
	II																									
सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।	I																									
	II																									

शिक्षक के नोट्स